web: www.nyaysakshi.com
पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल
पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 29 अगस्त 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 330

अब तक 46.25 करोड़ खुले जनधन खाते, जमा हुए 1.74 लाख करोड़

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के पात्र लाभार्थियों को सूक्ष्म बीमा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत कवर करने की घोषणा करते हुये आज कहा कि अब तक जनधन योजना के तहत 46.25 करोड़ खाते खुल चुके हैं और इन खातों में 1.74 लाख करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं।

पीएमजेडीवाई के आज आठ वर्ष पूर्ण होने के मौके पर सरकार ने कहा कि इसको लेकर बैंकों को पहले ही सूचित किया जा चुका है और अब पात्र जनधन खाताधारकों को सूक्ष्म बीमा कवर किया जायेगा। देशभर में संबंधित बुनियादी ढांचा तैयार कर पीएमजेडीवाई खाताधारकों के बीच रुपे डेबिट कार्ड के उपयोग सहित डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के साथ ही फ्लेक्सी-आवर्ती जमा आदि जैसे माइक्रो निवेश और माइक्रो-क्रेडिट तक पीएमजेडीवाई खाताधारकों की पहुंच को बेहतर बनाने की तैयारी चल रही है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर कहा कि वित्तीय समावेशन की अपनी पहलों के जरिए वित्त मंत्रालय हाशिए पर रहने वाले और अब तक सामाजिक-आर्थिक रूप से उपेक्षित वर्गों का वित्तीय समावेशन करने और उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा वित्तीय समावेशन के माध्यम से हम देश में एक समान और समावेशी विकास को हासिल कर सकते हैं। वित्तीय समावेशन का मतलब है- कमजोर समूहों जैसे निम्न आय वर्ग और गरीब वर्ग, जिनकी सबसे बुनियादी बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच नहीं है, उन्हें समय पर किफायती दर पर उचित वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना। उन्होंने कहा कि पीएमजेडीवाई इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक अहम पहल है, जो वित्तीय समावेशन से जुड़ी दुनिया की सबसे बड़ी पहलों में से एक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की घोषणा की थी। 28 अगस्त को इस योजना की शुरुआत करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस मौके को गरीबों की एक दुष्चक्र से मुक्ति का उत्सव कहा था।

इस वर्ष 10 अगस्त तक पीएमजेडीवाई खातों की कुल संख्या: 46.25 करोड़ थी जिसमें से 55.59 फीसदी (25.71 करोड़) जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं और 66.79 फीसदी (30.89 करोड़) जन धन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं। इस योजना के पहले वर्ष के दौरान 17.90 करोड़ पीएमजेडीवाई खाते खोले गए। पीएमजेडीवाई खातों की संख्या मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 10 अगस्त 2022 तक 46.25 करोड़ हो गई है जो वित्तीय समावेशन कार्यक्रम की दिशा में यह एक उल्लेखनीय यात्रा है।

आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि किसी पीएमजेडीवाई खाते में दो साल की अवधि में कोई ग्राहक लेनदेन नहीं करता है तो उस खाते को निष्क्रिय माना जाता है। अगस्त 2022 में कुल 46.25 करोड़ पीएमजेडीवाई खातों में से 37.57 करोड़ खाते 81.2 प्रतिशत चालू हैं। केवल 8.2 प्रतिशत पीएमजेडीवाई खाते शून्य शेष वाले खाते हैं। पीएमजेडीवाई खातों में कुल जमा शेष राशि 1,73,954 करोड़ रुपये है। इन खातों में 2.58 गुना वृद्धि के साथ इनमें जमा होने वाली धनराशि में अगस्त 2015 की तुलना में अगस्त 2022 में लगभग 7.60 गुना वृद्धि हुई है। हर जनधन खाते में औसतन 3,761 रुपये जमा है। अगस्त 2015 की तुलना में हर खाते में औसत जमा राशि में 2.9 गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है।

पीएमजेडीवाई खाताधारकों को जारी किए गए रुपे कार्ड की कुल संख्या: 31.94 करोड़ है। समय के साथ रुपे कार्डों की संख्या और उनके उपयोग में बढ़ोतरी हुई है।

देश में बैंक शाखाओं, एटीएम, बैंक मित्रों, डाकघरों आदि जैसे बैंकिंग टच प्वाइंट्स का पता लगाने को एक नागरिक केंद्रित प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन जनधन दर्शक ऐप का शुभारंभ किया गया। इस ऐप पर आठ लाख से अधिक बैंकिंग टच प्वाइंट्स की मैपिंग की गई है। इस ऐप का उपयोग उन गांवों की पहचान करने के लिए भी किया जा रहा है, जहां 5 किमी के भीतर बैंकिंग टच प्वाइंट्स सेवा नहीं है। इन चिन्हित गांवों को संबंधित एसएलबीसी द्वारा बैंकिंग आउटलेट खोलने के लिए विभिन्न बैंकों को आवंटित किया जाता है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप बैंकिंग सेवा से वंचित रहने वाले गांवों की संख्या में काफी कमी आई है।

बैंकों ने बताया है कि करीब 5.4 करोड़ पीएमजेडीवाई खाताधारक विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्राप्त करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पात्र लाभार्थियों को उनका डीबीटी समय पर प्राप्त हो, विभाग डीबीटी मिशन, एनपीसीआई, बैंकों और कई अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श कर डीबीटी की राह में आनेवाली अड़चनों के टाले जा सकने वाले कारणों की पहचान करने में सक्रिय भूमिका निभाता है।

पीएमजेडीवाई के तहत 31.94 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी करने के साथ ही, जून 2022 तक 61.69 लाख पीओएस/एमपीओएस मशीनें लगाई गई और यूपीआई जैसी मोबाइल आधारित भुगतान प्रणाली की शुरुआत के साथ, डिजिटल लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 978 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 7,195 करोड़ हो गई है। यूपीआई वित्तीय लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 1.79 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 4,596 करोड़ हो गई है। इसी प्रकार, पीओएस और ई-कॉमर्स में रुपे कार्ड लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 28.28 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 151.64 करोड़ हो गई है।

महत्वपूर्ण एवं खास

आजमगढ़ : कार डिवाइडर से टकराई, पांच लोगों की मौत

आजमगढ़ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें एक मासूम समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है और जिला प्रशासन को घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिये हैं। पुलिस ने रविवार को बताया कि कल रात आजमगढ़ जिले के सिधारी थाना क्षेत्र में मोहल्ला रामपुर निवासी शिव प्रकाश यादव अपने परिवार के साथ कार से मां विंध्यवासिनी धाम दर्शन करने गए थे। वहां से वापस आते समय यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर कार में बैठे यात्रियों को बाहर निकाला। इसमें से 03 लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी, जबकि दो अन्य की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। स्थानीय लोगों की सूचना पर चौकी इंचार्ज भगत सिंह, बरदह थानाध्यक्ष संजय घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। कुछ देर बाद क्षेत्राधिकारी लालगंज मनोज रघुवंशी भी पहुंच गए थे।

खौफनाक : खाना परोसने में देरी पर पिता ने खोया आपा, तेजधार हथियार से 21 वर्षीय बेटी को उतार दिया मौत के घाट

हापुड़ (आरएनएस)। हापुड़ पुलिस ने खाना परोसने में देरी को लेकर अपनी 21 वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, खाना परोसने में देरी होने पर छह बच्चों के पिता 55 वर्षीय मोहम्मद फरियाद का अपनी बेटी रेशमा से विवाद हो गया। बेटी ने जाहिर तौर पर गुस्से में मुंहतोड़ जवाब दिया, जिससे उसके पिता नाराज हो गए और उसने कथित तौर पर गुस्से में घास काटने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला हथियार उठाया और अपनी बेटी को मारा। उसे गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्रा ने कहा, बाबूगढ़ पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शव को भी पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच जारी है और आरोपी की गिरफ्तारी होगी, जिसे बाद में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। रेशमा की शादी 4 सितंबर को होने वाली थी।

सोनाली फोगाट मौत मामला : गोवा पुलिस ने की पांचवीं गिरफ्तारी

पणजी (आरएनएस)। गोवा पुलिस ने सोनाली फोगाट की मौत के मामले में रविवार को पांचवीं गिरफ्तारी की। पुलिस अधिकारी ने बताया, रमा मांड्रेकर को दत्तात्रसाद गांवकर को ड्रग की आपूर्ति करने के आरोप में आज सुबह गिरफ्तार किया गया। वह बाद में सुधीर सांगवान (सोनाली के पीए) को ड्रग की आपूर्ति करता था। शनिवार को पुलिस ने कर्लीज रेस्तरां के वॉशरूम में सोनाली फोगाट को दी गई मेथामफेटामाइन ड्रग्स जब्त की, जहां उन्होंने पार्टी की थी। गिरफ्तार आरोपी सांगवान के खुलासे के आधार पर कर्लीज रेस्तरां के वॉशरूम से नशीला पदार्थ बरामद किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि सांगवान को ड्रग्स की आपूर्ति गांवकर ने की थी, जो अंजुना के होटल ग्रैंड लियोनी रिजॉर्ट में रूम बॉय के रूप में काम करता था, जहां सोनाली और सांगवान रह रहे थे। गांवकर को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उससे पूछताछ के बाद अंजुना से रमा मांड्रेकर को कथित तौर पर ड्रग्स की आपूर्ति करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

नहर में नहाने गए दो किशोर डूबे, मचा कोहराम

गोरखपुर (आरएनएस)। गोला थाना क्षेत्र के खखरी बलिया गांव में रविवार को रविवार को सरयू नहर की शाखा में स्नान करने करने गए युवक डूब गए। दोनों का पता नहीं लग सका। मिली जानकारी के अनुसार उपरोक्त गांव के सुबास गुप्ता का 16 वर्षीय पुत्र शुभम व उसके पड़ोसी रामदयाल गुप्ता का पुत्र गणेश दोनों दोस्त हैं। वे दोनों जनता इंटर कालेज दुबौली में क्रमशः कक्षा 9 व 10 के छात्र हैं। दोपहर में दोनों नहर की मुख्य शाखा में स्नान करने चले गए। जहां डूब गए। बताया जाता है कि एन डी आर एफ की टीमें बच्चों की तलाश में लग गई हैं लेकिन देर शाम तक शवो का पता नही चल सका था।

गुलाम नबी के बाद कांग्रेस को एक और बड़ा झटका, एक और पूर्व सांसद ने छोड़ी पार्टी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस का समय सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। आए दिन पार्टी से वरिष्ठ नेता इस्तीफा दे रहे हैं। गुलाम नबी आजाद के शुक्रवार को इस्तीफे के बाद तेलंगाना के राज्यसभा के पूर्व सदस्य एमए खान ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। खान ने कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी पर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी देश की जनता को ये समझाने में पूरी तरह से असफल रही है कि वह अपनी पुरानी विरासत को दोबारा पा सकती है और देश को पहले की तरह आगे बढ़ा सकती है।

कांग्रेस नेतृत्व को लिखे अपने इस्तीफे पत्र में एमए खान ने कहा कि जी23 के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस के कल्याण और भलाई के लिए अपनी आवाज बुलंद की थी। लेकिन पार्टी नेतृत्व ने उनके इस कदम को नकार दिया और उनकी बात को नजरअंदाज किया। अगर पार्टी ने उन नेताओं (जी23 के नेताओं) पर भरोसा दिखाया होता और उनकी बात पर ध्यान दिया होता तथा पार्टी के लिए उनकी चिंता को समझा होता, तो शायद चीजें आज अलग होतीं। उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने छात्र जीवन से ही यानी 4 दशकों से ज्यादा समय तक पार्टी से जुड़ा रहा।

खान ने कहा, 'कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जाता है। शीर्ष नेतृत्व पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं को दोबारा एक्टिव करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाता और पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी एवं राजीव गांधी के नेतृत्व, उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ देश की सेवा करने की बात करता है। यह सब देखने के बाद मेरे पास पार्टी को छोड़ने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। इसलिए मैं तत्काल प्रभाव से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे रहा हूं।'

पलक झपकते ही मिट्टी में मिल गए करप्शन के ट्विन टावर्स

धुंए के गुबार में डूबा नोएडा

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा में सुपरटेक के करीब 103 मीटर ऊंचे अवैध ट्विन टावर्स को ढहा दिया गया। महज 9-12 सेकेंड में कुतुब मीनार से भी ऊंची इमारतें स्वाहा हो गई। इसके ध्वस्तीकरण के लिए करीब 9640 छेद में 3700 किलो विस्फोटक का प्रयोग किया गया था। ठीक 2.30 पर पलक झपकते ही 32 और 29 मंजिला करप्शन के ट्विन टावर्स मिट्टी में मिल गए।

सुपरटेक ट्विन टावर्स को गिराने में करीब 17.55 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। टावर्स को गिराने का यह खर्च भी बिल्डर कंपनी सुपरटेक ही वहन करेगी। इन टॉवरों के गिरने के बाद पूरा नोएडा धुएं के गुबार में डूब गया है।

बता दें कि कई वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई के बाद रविवार को ट्विन टावर मलबे में बदल गए। नोएडा प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी इस मौके पर मौजूद थे। वरिष्ठ अधिकारी स्पेशल कमांड सेंटर से पल पल की निगरानी कर रहे थे। ढाई बजते ही एक धमाके के साथ ट्विन टावर को सिर्फ 9 सेकंड में जमींदोज कर दिया गया। इमारत गिराने के काम में एडिफिस इंजीनियरिंग को लगाया गया था।

ट्विन टावर के पास ही एक स्पेशल कमांड सेंटर भी बनाया गया जहां गौतमबुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर सहित तमाम बड़े अधिकारी पल पल की गतिविधि पर नजर रखे हुए थे। इस पूरे ऑपरेशन के लिए 7 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। ड्रोन कैमरे से भी हर गतिविधि पर नजर रखी गई ताकि कोई अनहोनी ना हो। इस ऐतिहासिक लम्हे को सैकड़ों लोगों ने मोबाइल में और मीडियाकर्मियों ने अपने कैमरे में कैद किया।

हरदोई के पाली हादसे में 8 लोगों के शव किए गए बरामद

हरदोई (आरएनएस)। जिले के पाली थाना क्षेत्र में हुए हादसे में अब तक 8 लोगों के शव गर्रा नदी से बाहर निकाले जा चुके हैं। कई घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की फ्लड यूनिट ने लापता लोगों के शवों को खोज निकाला।

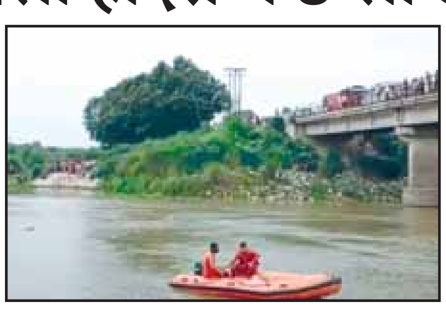

कल पाली क्षेत्र के कुछ किसान ट्रैक्टर ट्राली से अपना खीरा बेचकर वापस लौट रहे थे। रास्ते में गर्रा नदी के पुल पर ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर गर्रा नदी में गिर गया था। उस समय ट्रैक्टर ट्राली पर 20 लोग सवार बताए गए थे जिनमें से 14 लोग बाहर निकल आए थे जबकि कई लोग लापता थे। आज गोताखोरों ने आठ लोगों के शवों को खोज निकाला।

जिले के पाली थाना क्षेत्र में हुए हादसे के बाद गर्रा नदी से लापता लोगों में से नन्हे उर्फ रामकृपाल, मुकेश पुत्र रामभरोसे, रिंकू पुत्र राधेश्याम और मुकेश पुत्र श्रीधर, अमित, मझिले और दरियापुर निवासी हरिशरण पुत्र मुनेश्वर, अतरजी के मजरा पुरवा निवासी नरेंद्र का शव बरामद किया है। दरअसल कल पाली थाना क्षेत्र के बेगराजपुर गांव के रहने वाले किसान एक ट्रैक्टर ट्राली से अपना खीरा बेचने के लिए कस्बा पाली के निजामपुर गए थे और फिर खीरा बेचकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। वापस लौटते समय गर्रा नदी के पुल पर ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए गर्रा नदी में गिर गया था। हादसे के समय ट्रैक्टर ट्रॉली में बताया गया था कि करीब 20 लोग सवार थे जिनमें से 14 लोग बाहर निकल आए थे जबकि अन्य लोग लापता थे। लापता 6 लोगों के शवों के साथ ही पड़ोस के गांव दरियापुर के रहने वाले हरिशरण और अतरजी के मजरा पुरवा निवासी नरेन्द्र का शव भी बरामद किया गया है। हादसे के बाद डीएम, एसपी और आईजी लक्ष्मी सिंह मौके पर पहुंची थीं। गर्रा नदी में कई किलोमीटर तक जाल लगवाया गया था। करीब 15 घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की फ्लड यूनिट ने लापता लोगों के शवों को खोज निकाला। गोताखोरों ने नदी से अभी तक 8 शवों को बरामद कर लिया गया है।

जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि पाली थाना क्षेत्र में हादसा हुआ था, जिसमें बताया गया था कि करीब 20 लोग ट्रैक्टर ट्राली पर सवार थे, हादसे के बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की फ्लड यूनिट ने सर्च अभियान चलाया, जिसमें से जो 6 लोग लापता बताए गए थे उनके शव बरामद किए गए हैं, साथ ही दो अन्य व्यक्तियों के शव भी बरामद किये गये हैं जिनकी शिनाख्त कर ली गई है। शासन की ओर से मृतकों के परिवार को 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

पिकनिक मनाने आए एक ही परिवार के 6 लोगों की पानी में डूबने से मौत

2 के शव बरामद; 4 की तलाश जारी

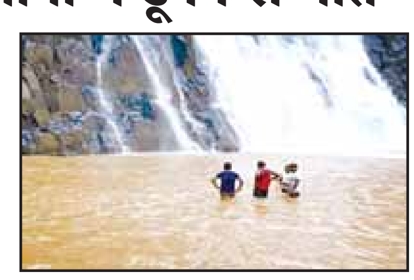

कोरिया (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में आने वाले भरतपुर विकासखंड के जलप्रपात में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां पिकनिक मनाने आए एक ही परिवार के 6 लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी मिलने के बाद 2 लोगों के शव को निकाल लिया गया है। वहीं 4 लोगों के शवों की तलाश की जा रही है। सभी लोग मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रहने वाले थे। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के बैढ़न से रविवार की सुबह 14 लोग रमदहा जलप्रपात में घूमने के लिए आए थे। इस दौरान इनमें से 7 लोग पानी में उतर कर फोटो खिंचवाने लगे, तभी अचानक एक बालिका गहरे पानी में पहुंचकर डूबने लगी। जिसे बचाने के लिए जलप्रपात में मौजूद 6 लोग उसकी ओर दौड़े और सभी की वही जल समाधि बन गई। किसी तरह एक महिला को जीवित बाहर निकाल लिया गया।

घटना की खबर जैसे ही जिला मुख्यालय पहुंची मौके पर पुलिस के साथ ही साथ राजस्व और बचाव दल के लोग पहुंचने लगे। देर शाम तक जल प्रपात में डूबे लोगों में से दो युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। जबकि 4 लोगों के बारे में अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू कर्मी मौजूद है और मृतकों की तलाश का काम जारी है।

कंटेनर ने मारी ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर, 6 श्रद्धालुओं की मौत, 37 घायल

रुद्रपुर ,28 अगस्त (आरएनएस)। किच्छा एनएच-74 पर उत्तरप्रदेश के जिला बरेली के बहेड़ी कोतवाली क्षेत्र में सिरसा मोड़ पर भीषण हादसा हो गया। श्रद्धालुओं को लेकर उत्तम नगर गुरुद्वारे जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रॉली हाईवे पर पलट गई। ट्रॉली में सवार छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 37 गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलभट्टा और बहेड़ी पुलिस ने आननफानन में सभी घायलों को बहेड़ी और किच्छा के सरकारी अस्पाल में भर्ती कराया है। मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। रविवार को गांव बसगर शर्मा फार्म शक्तिफार्म के लभगभ 50 महिलाएं एवं पुरुष व बच्चे

ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर एनएच-74 सितारगंज रोड पर स्थित बाबा बुड्ढा साहिब गुरुद्वारा उत्तम नगर में सत्संग के लिए जा रहे थे। सुबह करीब 9:15 बजे बरेली के थाना बहेड़ी क्षेत्र की सिरसा पुलिस चौकी के निकट हाईवे के कट से ट्रैक्टर चालक सोहन सिंह ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को दूसरी तरफ जाने के लिए मोड़ा। इसी समय पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने ट्रॉली में टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से श्रद्धालुओं से खचाखच भरी ट्रॉली हाईवे पर पलट गई। सवार श्रद्धालु ट्रॉली के नीचे दब गए। इससे श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई। हादसा होते ही बरा पुलिस चौकी से पुलिस व ग्रामीण घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े। उन्होंने राहगीरों की मदद से ट्रॉली को सीधा किया। ट्रॉली के नीचे से निकालकर 20 घायलों को बहेड़ी व 26 घायलों को किच्छा के सीएचसी में भेजा गया। उपचार के दौरान बहेड़ी में सुमन कौर (15) पुत्री भजन सिंह, गुरनाम बाई (30) पत्नी सोहन सिंह, अमनदीप (8) पुत्र सतनाम, राजा (6) पुत्र विक्रम सिंह, जस्सी (35) पत्नी सुखदेव सिंह व किच्छा सीएचसी में भजन सिंह (32) पुत्र गज्जन सिंह की मौत हो गई। किच्छा में भर्ती 20 घायलों को गंभीर होने पर जिला अस्पताल व चार को सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर कर दिया है। उधर, सूचना मिलते ही बहेड़ी सीओ तेजवीर सिंह, कोतवाल सतेन्द्र भड़ाना, थाना पुलभट्टा इंचार्ज कमलेश भट्ट, किच्छा कोतवाल धीरेन्द्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके बाद बरेली उत्तर प्रदेश के आईजी रेंज रमित शर्मा, बरेली एसएसपी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज, एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल और ऊधमसिंह नगर के एसएसपी मंजुनाथ टीसी भी घटना स्थल पहुंचे और मौका मुआयना कर घायलों को मदद पहुंचाई।

हादसे के बाद हाईवे पर जाम: नेशनल हाईवे पर हादसे के बाद जाम लग गया। पुलिस ने किसी तरह हालातों पर काबू कर हाईवे पर पलटी ट्रॉली को क्रेन की मदद से एक ओर कर यातायात सुचारू कराया। इससे लोगों को राहत मिली। वहीं हादसे के बाद भारी संख्या में आसपास के ग्रामीण पहुंच गए। उन्होंने पुलिस के साथ घायलों को ट्रॉली के नीचे से निकालने में मदद की। उन्हें अस्पताल तक पहुंचाया। हर कोई वहां पर घायलों की मदद करते दिखाई दिया।

घटना स्थल यूपी बहेड़ी कोतवाली क्षेत्र का है, इसीलिए कानूनी कार्रवाई वहीं से होगी। फिलहाल यूपी और उत्तराखंड पुलिस का पूरा फोकस घायलों का बेहतर इलाज कराने पर है। आवश्यकतानुसार जिला स्तर पर भी कार्रवाई की जाएगी। -डॉ. मंजूनाथ टीसी, एसएसपी ऊधमसिंह नगर